छपते छपते

रु.3/- कोलकाता ■ बुधवार ■ 24 अप्रैल 2024 ■ बैशाख कृष्ण पक्ष 1 ■ संवत् 2081 ■ कुल पृष्ठ : 8 ■ वर्ष-53, अंक-73

बुक रिडिंग सेशन में लेखिका मानसी चतुर्वेदी की रचनाधर्मिता पर चर्चा

■ छपते छपते समाचार सेवा

कोलकाता, 23 अप्रैल। भवानीपुर एजूकेशन सोसाइटी कॉलेज की लाइब्रेरी में बुक रिडिंग सेशन के अंतर्गत अंग्रेजी ब्लॉगर लेखिका कवयित्री मानसी चतुर्वेदी ने अपने अनुभवों को विद्यार्थियों के साथ साझा किया। मानसी चतुर्वेदी होममेकर हैं जो घर को बहुत ही अच्छे ढंग से संभालते हुए साहित्यिक सृजन से पूर्ण रूप से जुड़ी हुई हैं।वे एक ब्लॉगर पेन्ड कनेक्शन. वर्ड प्रेस. कॉम. डी की संस्थापक हैं जहाँ वे अपनी कविताओं और विचारों को व्यक्त करती हैं। इस मंच पर अन्य लेखकों की पुस्तकों को भी पढ़ा जा सकता है।

कार्यक्रम का संचालन फ़ज़ल करीम मोहम्मद ने किया। बुक रिडिंग सेशन की संयोजक डॉ वसुंधरा मिश्र ने चतुर्वेदी के काव्य संग्रह शेड्स ऑफ सोलिट्यूड पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कविता संग्रह कोरोना काल के दौरान लॉकडाउन के समय लिखी गई है जिसमें कवयित्री ने अपने विचारों और अनुभवों को शब्दों में पिरोया है।इसकी 44 कविताओं में कोरोना

के साथ बिताए अलग – अलग भावों को बहुत ही सहज और स्वाभाविक ढंग से लिखा गया है। कविताओं के शीर्षक गेस्ट इन डिस्गाइस, लॉक्ड सेलेब्रेशन, चेंजिंग होम, यू स्टे विथ मी, लेसन लर्न्ट, ए न्यू बिगनिंग, मोनोटोनी, शेड्स ऑफ सोलिट्यूड आदि पठनीय कविताएँ हैं। लेखिका ने बॉनसाई पुस्तक से भी कविताएँ पढ़ी। यह सच है कि कोरोना से हर मनुष्य ने अपने जीवन को गंभीरता से समझा है।फ़ज़ल करीम मोहम्मद और नम्रता चौधरी ने लेखिका की रचनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए। आर्यन गुप्ता, उज्जवल करमचंदानी, जय राम, मौली दे, प्रियंका बरडिया आदि ने अपनी कविताएँ पढ़ीं।

प्रो समीक्षा खंडूरी प्रो मीनाक्षी चतुर्वेदी, डॉ संपा सिन्हा डॉ रेखा नारिवाल,प्रो वनीता शर्मा आदि की उपस्थिति रही।

कॉलेज के रेक्टर और डीन प्रो दिलीप शाह ने अपने वक्तव्य में बताया कि प्रति दिन एक रचनात्मक कार्य कई कार्यों को फलीभूत कर सकता है। प्रो शाह ने कविता क्या होती है? बताया। मानसी चतुर्वेदी का सम्मान प्रो मीनाक्षी चतुर्वेदी ने किया ।डॉ वसुंधरा मिश्र ने कार्यक्रम की शुरुआत मानसी चतुर्वेदी के काव्य संग्रह शेड्स ऑफ सोलिट्यूड की कविताओं और बॉनसाई पर आधारित कवयित्री के विचारों और भावनाओं की विस्तार से जानकारी दी। धन्यवाद दिया प्रो. समीक्षा खंडूरी ने।